

पशावली पेश हुई। प्राणी अधिवक्त्र अनुपस्थित
मूल पशावली अदम पैरवी अदम हाथरी
में खारिज हो जाये व इस पशावली को
पल्लव का कोर औचित्य नहीं रह जाता।
अतः पशावली केवल कुमार होकर मूल
पशावली के साथ नहीं हो।